जयपुर-वैशाली नगर। राजभवन में महामहिम राष्ट्रपति द्रोपदी मुर्मू से मुलाकात कर ईश्वरीय सौगात भेंट करते हुए जयपुर म्यूज़ियम सेवाकेन्द्र संचालिका राजयोगिनी ब्र.कु. सुषमा दीदी, स्थानीय सेवाकेन्द्र संचालिका ब्र.कु. चन्द्रकला दीदी, ब्र.कु. एकता बहन, ब्र.कु. राजेश असनानी तथा ब्र.कु. पारस।

वाराणसी-उ.प्र.। माननीय मुख्यमंत्री श्री योगी आदित्य नाथ जी से मुलाकात कर ज्ञानचर्चा के पश्चात् उन्हें ईश्वरीय सौगात भेंट करते हुए ब्रह्माकुमारीज़ के श्रीराम नगर कॉलोनी,बीएलडब्ल्यू स्थित सेवाकेन्द्र की संचालिका राजयोगिनी ब्र.कु. सरोज दीदी। दीदी ने माननीय मुख्यमंत्री को संस्थान की गतिविधियों से अवगत कराया तथा मुख्यालय माउण्ट आबू आने का निमंत्रण दिया जिसे उन्होंने सहर्ष स्वीकार किया। इस अवसर पर सेवाकेन्द्र की सह-संचालिका ब्र.कु. चंदा बहन, ब्र.कु. खुशी बहन, ब्र.कु. श्याम भाई, ब्र.कु. सूरज भाई एवं ब्र.कु. अभिनंदन भाई उपस्थित रहे।

हर मनुष्य अपने कर्मों का फल अपनी योनि में रहकर ही भोगता है

राजयोगिनी ब्र.कु. उषा बहन,
वरिष्ठ राजयोग प्रशिक्षिका

गतांक से आगे...

कई बार कई लोगों को पूर्वजन्म याद आता है। देखा जाता है कई लोग जो बताते हैं पूर्वजन्म की बातें छोटे-छोटे बच्चे और वहाँ जाकर रिसर्च किया जाता है तो वास्तविक होता है।

मुझे याद आता है एक छोटा बच्चा दीपक नाम था उसका, 3-4 साल का जब हुआ तो अपने माता-पिता को कहता कि मुझे अपने घर जाना है, मुझे अपने घर जाना है। माता-पिता बार-बार उसको समझायें कि यही अपना घर है। लेकिन वो कहे मेरा घर अलग है। मुझे वहाँ जाना है। खैर माता-पिता को तो मालूम नहीं था और एक दिन वो परिवार कहीं घूमने गया हुआ था और घूम कर के जब वापस आ रहा था। रास्ते में एक मोड़ ऐसा आया जहाँ से बच्चे ने कहा कि अब यहाँ से राइट ले लो। माता-पिता ने कहा नहीं बेटा हमारा घर तो इस तरफ है, नहीं, कहा मेरा घर तो इस तरफ है इस तरफ ले लो। फिर राइट, लेफ्ट आदि बताते हुए अपने एक बहुत बड़े बंगले के पास पहुंचा और कहा यह मेरा घर है। बहुत खुश हो गया। उसको कहा बेटा यह अपना घर नहीं है, उन्होंने सोचा पता नहीं किसका बंगला है और कहाँ यह ले आया! उसने कहा, नहीं मेरा घर है, चलो आप। वहाँ वॉचमेन खड़ा था तो उससे पूछा शारदा है घर में? उसने दरवाजा खोला, अंदर लेकर गया वहाँ जाकर बेल बजाई, एक बहन आई तो उसको देखते ही कहता शारदा मुझे पहचाना? उसने कहा, नहीं, पता नहीं कौन है? फिर जाकर वो अपनी कुर्सी पर जहाँ हमेशा बैठता था, उसी स्टाइल में जाकर बैठा तब उस बहन को महसूस हुआ कि अरे यह तो कहीं उनकी आत्मा तो नहीं है!

जिस कर्म का बीज हमने बोया उसी का ही तो फल मिलेगा ना! फिर क्यों कहते मेरे साथ ही ऐसा क्यों? अगर इस राज़ को अच्छे से समझ लें तो क्यों, क्या ये सब प्रश्न समाप्त हो जायें। कर्मों की गुह्य गति को जाना नहीं इसलिए प्रश्न उठता...

फिर उसने पूछा कि घर में एक हरि नाम का नौकर था वो कहाँ है? बहन ने कहा वह तो सेठ जी के जाने के एक महीने बाद ही मर गया था। उसने फिर और भी बहुत कुछ पूछा, बच्चों के बारे में पूछा तो उस बहन को समझ आ गया कि यह वही आत्मा है। माना उसका पति जो पिछले जन्म में था। फिर उसने कहा नौकर को बुलाओ पीछे जाना है, घर के पीछे के साइड में गए और वहाँ एक बड़ा पेड़ था, उस नौकर को कहा कि यहाँ खुदाई करो, खुदाई किया और नीचे से पिटारा निकाला तो बड़ा आश्चर्य हुआ! उसमें सारे बैंक के किताबें और पता नहीं क्या-क्या इम्पोर्टेंट्स डॉक्यूमेंट्स उसके अंदर थे। उसने उस बहन को दिया कि यह बच्चों को दे देना और सबकुछ बताया कि उसने ये पेटी अपने नौकर हरि के साथ मिलकर यहाँ गाड़ दी थी। ये बात सिर्फ उसे और उसके नौकर हरि को पता थी। उसके बाद वो चला गया। और सबकुछ भूल गया। इसलिए वह आत्मा जब गई वो संस्कार लेकर गई, माना उसकी अंतिम इच्छा यही थी कि उसके मरने से पूर्व कि अब सब दबा का दबा रह जाएगा, किसी को कुछ पता नहीं चलेगा, तो इस जन्म में जाकर भी वह पिछली स्मृति जो उसको सता रही थी कि ये वो सब मैं अपने बच्चों को हैंड ऑवर कर दूं, जब कर दिया तो उसके बाद विस्मृत हो गया। फिर अपने माता-पिता को कहता है चलो अपने घर। बस वो लास्ट संकल्प उसका पूरा हो गया।

जितने भी आजतक पूर्वजन्म के किस्से सुने हैं या देखे हैं तो कोई भी ऐसा केस सामने नहीं आया कि कोई मनुष्य ये कहे कि वो पिछले जन्म में ये पशु था या ये पक्षी था। कहने का भावार्थ मनुष्य,मनुष्य योनि में रह कर के ही अपने कर्मों का फल भोगता है।

भरतपुर-कृष्णा नगर(राज.)। ब्रह्माकुमारीज़ द्वारा आयोजित अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के कार्यक्रम में दीप प्रज्वलित करते हुए रतन कुमार स्वामी,अति. जिला कलेक्टर, चंद्रप्रकाश दीक्षित,वरिष्ठ चिकित्सक आयुर्वेद, ब्र.कु. कविता बहन, ब्र.कु. बबीता बहन, ब्र.कु. पूनम बहन, ब्र.कु. प्रवीणा बहन तथा अन्य।

शमशाबाद-आगरा(उ.प्र.)। मातेश्वरी जगदम्बा सरस्वती जी के 58वें पुण्य स्मृति दिवस पर पुष्प माला अर्पित करते हुए नगर पालिका अध्यक्ष ओम करन जी, ब्र.कु. लक्ष्मी दीदी, समाजसेवी बहन कंचन गुप्ता, ब्र.कु. अखलेश भाई तथा अन्य।

सारनाथ-वाराणसी(उ.प्र.)। ब्रह्माकुमारीज़ के मुख्यालय माउण्ट आबू में आयोजित होने वाले ग्लोबल सम्मिट-2023 में आने का निमंत्रण देने के पश्चात् आनंद कुमार त्यागी,वाइस चांसलर,महात्मा गांधी काशी विद्यापीठ यूनिवर्सिटी,वाराणसी को ईश्वरीय सौगात भेंट करते हुए ब्र.कु. तापोषी बहन। साथ हैं प्रो. अमिता सिंह,चीफ प्रॉक्टर, प्रो. निशा सिंह,एचओडी, ब्र.कु. विपिन भाई, ब्र.कु. राधिका बहन, ब्र.कु. सरिता बहन तथा ब्र.कु. संदीप भाई।

For Online Transfer

Name: OM SHANTI MEDIA OF RERF
Pay Directly to: osmorerf@indianbk

BANK NAME:- INDIAN BANK
BRANCH:- Shantivan, Talhati
ACCOUNT NAME:- OM SHANTI MEDIA OF RERF
ACCOUNT NO:- 7552337300,
IFSC - CODE:- IDIB000S319

Note:- AfterTransfer send detail on
E-Mail - omshantimedia.acct@bkivv.org
E-Mail - omshantimedia@bkivv.org

ओमशान्ति मीडिया सदस्यता हेतु सम्पर्क करें

कार्यालय - ओमशान्ति मीडिया
संपादक - ब्र.कु. गंगाधर, ब्रह्माकुमारीज़,शान्तिवन,तलहटी,
पोस्ट बॉक्स न-5,आबू रोड, राज. 307510
सम्पर्क- M- 9414006096, 9414154344, 9414182088
Email-omshantimedia@bkivv.org
सदस्यता शुल्क : भारत - वार्षिक - 240 रूपये, तीन वर्ष - 720 रूपये, आजीवन - 6000 रूपये
Website: www.omshantimedia.org